संधि अव्यय
संज्ञा विशेषण
काल
क्रिया वर्ण
निबंध सर्वनाम धातु
भाषा कारक
वाक्य

व्याकरण सुधा

5
GRADE

1. भाषा और व्याकरण (Language and Grammar)

❒ अभ्यास

1. (क) पंजाबी (ख) संस्कृत (ग) मौखिक (घ) बातचीत, भाषण
2. (क) भाषा वह माध्यम है, जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचार बोलकर या लिखकर प्रकट करता है और दूसरों के विचारों को सुनकर या पढ़कर ग्रहण करता है। भाषा के दो भेद हैं—1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा

   (ख) जब कोई भाषा केवल बोलचाल के लिए प्रयोग की जाती है, प्राय: उसका कोई लिखित रूप नहीं होता और वह किसी एक क्षेत्र तक ही सीमित होती है, उसे बोली कहते हैं; जैसे राजस्थानी, भोजपुरी एवं हरियाणवी आदि।

   (ग) भाषा को लिखने हेतु कुछ चिह्न निश्चित किये गये हैं। यही चिह्न लिपि कहलाते हैं।

   (घ) देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली भाषाएँ मराठी, हिन्दी, संस्कृत, राजस्थानी, नेपाली हैं।

   (ङ) प्रत्येक भाषा के कुछ नियम होते हैं। उसे बोलने, लिखने एवं पढ़ने के नियमों का ज्ञान हमें व्याकरण के द्वारा ही होता है। इससे ही भाषा की शुद्धता एवं अशुद्धता का बोध होता है।
3. (क) (✗) (ख) (✓) (ग) (✗) (घ) (✓) (ङ) (✓) (च) (✗)
4. (क) फारसी (ख) मराठी (ग) रोमन
5. छात्र स्वयं करें।
6. छात्र स्वयं करें।

❒

2. वर्ण-विचार (Phonology)

❒ अभ्यास

1. (क) अ आ इ ई उ ऊ ऋ
   ए ऐ ओ औ (अं अ:)

   (ख) हिन्दी एवं संस्कृत के वर्णों के ऊपर जो रेखा खींची जाती है, वह शिरोरेखा कहलाती है।

   (ग) क्ष, त्र, ज्ञ एवं श्रृ संयुक्त व्यंजन हैं।

(घ) किसी व्यंजन के पश्चात् यदि विसर्ग: लगा हो तो उसका उच्चारण अह् की तरह होता है। विसर्ग का प्रयोग केवल संस्कृत के शब्दों में होता है। जैसे—प्रात:, शनै:, प्राय: आदि।

(ङ) अनुनासिकता स्वरों का गुण है। जब हम स्वरों का उच्चारण मुख के साथ नासिका से भी करते हैं तो वहाँ स्वर अनुनासिक हो जाता है। उदाहरण—ऊँट, मुँह, चाँदी आदि।

2. (क) वर्णों का व्यवस्थित समूह वर्णमाला कहलाता है।

(ख) व्यंजनों के उच्चारण में स्वरों की सहायता ली जाती है।

(ग) अनुस्वार व्यंजन का चिह्न है। इसका प्रयोग वर्णमाला के पाँच वर्णों के अन्तिम वर्ण के स्थान पर होता है, उदाहरण लंबा—लम्बा, सुंदर—सुन्दर

(घ) हलन्त का प्रयोग (अ) रहित वर्ण को लिखने के लिए किया जाता है। उदाहरण—स्, म्, ह्, ल्।

3. (क) (✗) (ख) (✗) (ग) (✗) (घ) (✓) (ङ) (✓) (च) (✓)

4. सरल—स् + अ + र् + अ + ल् + अ
दयालु—द् + अ + य् + आ + ल् + उ
नीरज—न् + ई + र् + अ + ज् + अ
प्रभाकर—प् + र् + अ + भ् + आ + क + अ + र् + अ

5.

दीक्षा	रक्षा
गच्चा	बच्चा
वक्त	व्यक्त
त्रिकोण	त्रिदेव
पक्का	सिक्का
निजत्व	अपनत्व

6.

साजन	राजन	घायल
राज	बाज	ताज
बर्फ	रफ	गफलत

7.

अर्जुन	चिराग	जतिन	पराग
रति	वंशिका	शैलजा	सौम्या

8. क – करतब – क् + अ + र् + अ + त् + अ + ब् + अ
ग – गमला – ग् + अ + म् + अ + ल् + आ
ज – जीत – ज् + ई + त् + अ
ल – लाभ – ल् + आ + भ् + अ
र – राजा – र् + आ + ज् + आ
व – वर – व् + अ + र् + अ

9.

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श

10. मयूर बरगद
मणिपुर बहमास

❑

3. संज्ञा (Noun)

❑ अभ्यास

1. (क) छात्र स्वयं करें।
(ख) छात्र स्वयं करें।
2. (क) किसी भी वस्तु, व्यक्ति, प्राणी, स्थान या भाव आदि का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं।
संज्ञा के निम्न भेद हैं—
1. व्यक्तिवाचक, 2. भाववाचक, 3. द्रव्यवाचक, 4. जातिवाचक समूहवाचक।
(ख) जो शब्द किसी एक विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु का बोध कराते हैं, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं यथा—पीसा की मीनार, नीरजा आदि।
जो शब्द एक ही प्रकार की सभी वस्तुओं, प्राणियों या स्थानों का बोध कराते हैं, जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं यथा—गायक, घोड़ा आदि।
3. (क) चतुराई (ख) जवानी (ग) सोनिया (घ) मिठास (ङ) पुस्तक
4.

व्यक्तिवाचक	व्यक्तिवाचक	व्यक्तिवाचक
व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	जातिवाचक
व्यक्तिवाचक	द्रव्यवाचक	द्रव्यवाचक

5.

जातिवाचक	**व्यक्तिवाचक**	**भाववाचक**
पुरुष	कुतुबमीनार	सुन्दरता
घर	कल्पना चावला	बचपन
पेन्सिल	जापान	खुशी
फिल्म	अजन्ता	हँसाई

6. (क) सजावट (ख) थकावट (ग) गहराई (घ) सच्चाई (ङ) बुराई

7. दीप

धरती	अम्बर
प्राणी	
जग	तिमिर
दिया	बाती

❑

4. लिंग (Gender)

❑ अभ्यास

1. (क) छात्र स्वयं करें। (ख) छात्र स्वयं करें।
2. (क) शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति या स्त्री जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं। इसके दो प्रकार हैं—पुल्लिग एवं स्त्रीलिंग।
   (ख) स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं; जैसे—कोयल, मंजू, रीना आदि।
   पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिग कहलाते हैं; जैसे—दादाजी, अंकित एवं राजा आदि।
3.

पुल्लिग	स्त्रीलिंग
स्त्रीलिंग	स्त्रीलिंग
स्त्रीलिंग	पुल्लिग
स्त्रीलिंग	स्त्रीलिंग

4. (क) उदाहरण
   (ख) कवि को उसकी कविता के लिए पुरस्कार मिला।
   (ग) मेरी माता विदुषी हैं।
   (घ) मोरनी नाच रही है।
   (ङ) कुम्हारन ने अच्छे बर्तन बनाये।
5. (क) उदाहरण
   (ख) दुर्गावती बहुत वीरांगना थी।
   (ग) काँच की कटोरी टूट गई।
   (घ) शिक्षिका पढ़ा रही है।
   (ङ) मिस्त्री मकान बना रहा है।
6.

पुल्लिग	**स्त्रीलिंग**
सेब	मूली
बटन	नदी
ताँबा	कुम्हारन
विश्व	चील
भाग्य	बुद्धि

7. कहारन गिनती

तिथी

बैठक नारी

लूट

8. नागिन	चाची	बेटा
नाग	चाचा	बेटी
पोती	पड़ोसन	सेठानी
पोता	पड़ोसी	सेठ

❑

5. वचन (Number)

❒ अभ्यास

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या अर्थात् एक या एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।
   (ख) हिन्दी में वचन दो प्रकार के होते हैं—एकवचन और बहुवचन।
   एकवचन—चुकिया, घोड़ा एवं बालिका आदि।
   बहुवचन—चुहियाँ, घोड़े एवं बालिकाएँ आदि।
3. (क) सड़क (ख) मक्खियाँ (ग) घड़ी (घ) चेहरे (ङ) चश्मा
4. (क) पंखे को चलने दो।
   (ख) टूटी बाल्टी से सारा दूध बह गया।
   (ग) वे पेड़ पर चढ़ गए।
   (घ) मेरे चाचा जी आये हैं।
5. (क) मैं अनेक घड़ियाँ लाया।
   (ख) परियाँ आयी थी।
   (ग) तितलियाँ सुन्दर लगती हैं।
   (घ) कवि कविताएँ लिख रहा है।
   (ङ) गाड़ियाँ चलते-चलते रुक गईं।
   (च) मोर नाच रहे हैं।
6. (क) दरवाजा (ख) गाय (ग) फूल (घ) नेताओं (ङ) विपत्ति
7. छात्र स्वयं करें।

❑

6. कारक (Case)

❐ अभ्यास

1. (क) जो शब्द वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा एवं सर्वनाम शब्दों का सम्बन्ध आपस में जोड़ते हैं, वे कारक कहलाते हैं।

उदाहरण—

कारक	विभक्ति	कर्ता
कर्ता	ने	अंशु ने दरवाजा खोला।

(ख) करण कारक में विभक्ति होगी (से/के द्वारा)

उदाहरण—लक्ष्मी कार से स्कूल जाती है।

अपादान कारक में विभक्ति होगी-से (अलग होना)।

उदाहरण—पेड़ से पत्ते गिरे।

2. ने — में/पर
   से/के द्वारा — से (अलग होना)
   को — हे, अरे

3. (क) अधिकरण कारक (ख) कर्त्ता कारक (ग) सम्बन्ध कारक
   (घ) अपादान कारक (ङ) सम्प्रदान कारक (च) करण कारक
   (छ) सम्प्रदान कारक

4. (क) का (ख) से (ग) ने (घ) से
   (ङ) की (च) से (छ) अरे!

5. (क) (✗) (✓)
   (ख) (✗) (✓)
   (ग) (✓) (✗)
   (घ) (✗) (✓)
   (ङ) (✗) (✓)

6. छात्र स्वयं करें।
7. छात्र स्वयं करें।

❑

7. सर्वनाम (Pronoun)

❐ अभ्यास

1. (क) जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग में लाये जाते हैं, वे सर्वनाम कहलाते हैं। सर्वनाम के छह भेद होते हैं—

पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, निजवाचक, संबंधवाचक।

(ख) जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर्त्ता/वक्ता अपने लिए करता है, उन्हें निजवाजक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—मैंने यह चित्र स्वयं बनाया है।

(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम में किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध होता है जबकि अनिश्चयवाचक सर्वनाम से किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध नहीं होता है।

2. (क) मैं (ख) यह (ग) उसे (घ) आप (ङ) कोई
3. (क) मुझे (ख) उसने (ग) मैंने (घ) हमें (ङ) हमने
4. (क) मुझे (ख) तुम्हें (ग) मैंने (घ) मुझे
5. (क) तू (ख) मैं (ग) यह (घ) मुझे
6. (क) तुझे भी खाना पड़ेगा।
   (ख) मेरे घर के निकट उसका स्कूल है।
   (ग) उसका कुर्ता फट गया।
   (घ) आप को कौन नहीं जानता?
   (ङ) सब खुशी से नाचे।
7. छात्र स्वयं करें।
8. हमारा — उसे
   तेरा — उसका
   मेरा — तुझे
   हम — आपका
   तुम्हारा

❑

8. विशेषण (Adjective)

❑ अभ्यास

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं।

   (ख) जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं, जिन शब्दों की विशेषता बतायी जाती है, उन्हें विशेष्य कहते हैं।

   उदाहरण—लम्बी लड़की— लम्बी—विशेषण
   लड़की—विशेष्य

   (ग) विशेषण के चार भेद होते हैं—

   1. गुणवाचक विशेषण, उदाहरण—ईमानदार, वीर।
   2. संख्यावाचक विशेषण, उदाहरण—तीन, पाँच।

3. परिमाणवाचक विशेषण, उदाहरण—दो लीटर, तीन किलो।

4. सार्वनामिक विशेषण, उदाहरण—तुम्हारा, वह।

(घ) जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की संख्या की जानकारी मिलती है, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं; जैसे—सौ, दूसरा, पाँचवी, चौथा आदि।
जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा की जानकारी मिलती है, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे—चुटकी भर, दो किलो, एक कुन्तल आदि।

3. (क) लाभदायक (ख) शरारती (ग) सत्य (घ) प्राचीन
(ङ) पुराना (च) ईमानदार (छ) वीर

4. (क) संख्यावाचक (ख) संख्यावाचक (ग) गुणवाचक
(घ) संख्यावाचक (ङ) परिमाणवाचक (च) गुणवाचक

5.

दैनिक	सबल
नागरिक	कौन-सा
धार्मिक	तैराक
शैशव	चाँदनी
सुरीला	हमारा
राष्ट्रीय	भारतीय

6. (क) उदाहरण
(ख) यह सीधी दिशा है।
(ग) रमन बड़ा चालबाज है।
(घ) वह बहुत काला आदमी है।
(ङ) नदी गंदी हो गयी।

7.

साहसिक	सुनहरा
मोटा	मेहनती
ईमानदार	तेजस्वी
वीर	शानदार
आलसी	
बलवान	

8. छात्र स्वयं करें।

9. प्यारे न्यारे तारे उजियारा तेज
नायक

❑

9. क्रिया (Verb)

❒ अभ्यास

1. (क) जिन शब्दों से किसी काम के होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।
   (ख) जिन वाक्यों में क्रिया का कर्म हो, उन्हें सकर्मक क्रिया और जिन वाक्यों में क्रिया के साथ कर्म नहीं होता है, उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं।
2. (क) गरज रहे हैं। (ख) हँसने लगे। (ग) खड़ी है।
   (घ) भरी थी।
3. (ख) नहा (ग) बना (घ) चढ़
   (ङ) चला (च) बना (छ) बो
4. छात्र स्वयं करें।
5. धो सिल
   बना बाँट
   ला
   बना
   बना
   कर

❑

10. काल (Tense)

❒ अभ्यास

1. (क) क्रिया के जिस रूप से उसके होने या करने के समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं।
   (ख) काल के तीन भेद हैं—वर्तमान काल—शेर दहाड़ रहा है।
   भूतकाल—मोनिका स्कूल गई थी।
   भविष्यत् काल—पिताजी कल कोलकाता आएँगे।
2. (क) वर्तमान काल (ख) भूतकाल (ग) वर्तमान काल
   (घ) भूतकाल (ङ) भूतकाल (च) भविष्यत्काल
   (छ) वर्तमान काल
3. (क) भविष्यत् काल (ख) भूतकाल (ग) वर्तमान काल
   (घ) भूतकाल (ङ) भविष्यत् काल
4. (क) उदाहरण
   (ख) अनिका चित्र बना रही है।

(ग) रीना स्कूल जाएगी।
(घ) बारिश हुई।
(ङ) मोर नाचेगा।

5. छात्र स्वयं करें।

❑

11. अव्यय (Indeclinable Words)

❑ अभ्यास

1. (क) वे शब्द जिनमें लिंग, वचन एवं कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, वे अव्यय या अविकारी शब्द कहलाते हैं।
   (ख) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रियाविशेषण कहलाते हैं। इनके चार भेद हैं—स्थानवाचक, कालवाचक, रीतिवाचक और परिमाणवाचक।
   (ग) जो शब्द वाक्यों में प्रयुक्त दो संज्ञाओं या सर्वनामों का सम्बन्ध आपस में जोड़ते हैं, वे सम्बन्धबोधक कहलाते हैं। जैसे—मेरे घर के पास एक बड़ा पेड़ है।
   (घ) हर्ष, शोक, भय, आश्चर्य, घृण आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्द विस्मयादिबोधक कहलाते हैं। जैसे—अहा!, आह!, ओह! आदि।
2. दादाजी बूढ़े हैं मगर रोज घूमने जाते हैं।
   रीमा बहुत खाती है।
   कुत्ता बार-बार भौंकता हैं।
   अमीर लोग सुखपूर्वक रहते हैं।
3. (क) विशेषण (ख) क्रियाविशेषण (ग) क्रियाविशेषण
   (घ) क्रियाविशेषण (ङ) क्रियाविशेषण
4. (क) ओह (ख) बाप रे बाप (ग) अरे
   (घ) वाह (ङ) आह
5. (क) पर (ख) या (ग) लेकिन
   (घ) वरना (ङ) और
6. (क) सम्बन्धबोधक (ख) समुच्चयबोधक (ग) समुच्चयबोधक
   (घ) सम्बन्धबोधक
7. छात्र स्वयं करें।
8. आगे इधर सुखपूर्वक मगर
   जल्दी शाबाश
   पर या
   परसों और
   सदा अथवा

❑

12. वाक्य (Sentence)

❒ **अभ्यास**

1. (क) जिस शब्द समूह से वाक्य का अर्थ स्पष्ट होता है, उसे वाक्य कहा जाता है। वाक्य के दो प्रमुख अंग होते हैं—उद्देश्य एवं विधेय।

   (ख) **उद्देश्य**—वाक्य के अन्तर्गत जिसके बारे में कुछ कहा जाए, वह उद्देश्य कहलाता है; जैसे—रितिका क्रिकेट मैच देख रहा है।

   इस वाक्य में रितिक कर्ता है और उसके सम्बन्ध में बात की जा रही है, इसलिए वह उद्देश्य है।

   विधेय—वाक्य के अन्तर्गत जब उद्देश्य के विषय में कुछ कहा जाता है, वह विधेय कहलाता है; जैसे—रितिक क्रिकेट मैच देख रहा है।

   इस वाक्य में रितिक क्रिकेट मैच देख रहा है। उद्देश्य का कर्म, क्रिया और विस्तार है। यह वाक्यांश रितिक के सम्बन्ध में बता रहा है।

2. (क) उदाहरण
   (ख) मेरे पास सफेद रंग के जूते हैं।
   (ग) दिल्ली का लाल किला प्रसिद्ध है।
   (घ) प्रतिदिन स्कूल जाओ।
   (ङ) बच्चे तालाब में तैर रहे हैं।
   (च) मुझे लीची खाना पसन्द है।
   (छ) आगरा में ताजमहल है।
   (ज) भारत की राजधानी नई दिल्ली है।
   (झ) स्कूल का समय हो गया है।
3. छात्र स्वयं करें। ❑

13. वर्तनी सम्बन्धी सामान्य अशुद्धियाँ (Common Spelling Mistakes)

❒ **अभ्यास**

1. (क) अत्यधिक (✓) (ख) संसार (✓) (ग) तूफान (✓)
   (घ) संन्यासी (✓) (ङ) साप्ताहिक (✓)
2.

सीढ़ी	परीक्षा
आशीर्वाद	तिथि
स्पष्ट	आगामी
वियोगिनी	अंजलि

3. छात्र स्वयं करें। ❑

14. पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

❒ **अभ्यास**

1. (✗) सदन (✗) नीर
   (✗) पादप (✗) वासर
   (✗) इन्दु
2. (क) अभिलाषा दु:ख का कारण बनती है।
   (ख) जनक का सम्मान करना हमारा कर्त्तव्य है।
   (ग) रवि पूरब में निकलता है।
   (घ) देश की प्रगति तभी होगी जब हम ईमानदार बनेंगे।
   (ङ) वतन के संसाधनों को बनाये।
3.

तनुजा	नयन	शैल
तनया	चक्षु	पर्वत
नारी	लम्बोदर	भानू
वनिता	विनायक	भास्कर

4.

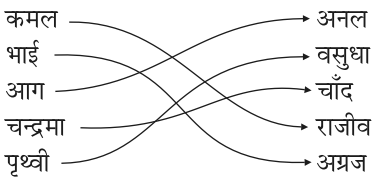

5. छात्र स्वयं करें।

❑

15. विलोम शब्द (Antonyms)

❒ **अभ्यास**

1. (✓) दुराचार (✓) अवनति
   (✓) उत्थान (✓) परमार्थी
   (✓) अनिच्छा (✓) कठिन
2. (क) चौथा प्रश्न ऐच्छिक है।
   (ख) नीरोगी के साथ एक व्यक्ति कौन आया है?
   (ग) इसका रंग सफेद है।
   (घ) यह व्यक्ति शिष्ट है।
   (ङ) उसके कार्य कुपुत्र वाले हैं।
   (च) परिश्रम से सफलता नहीं मिलती।

3. सांय — अंत
मंद — पराजय
विदेशी — परदेशी
निर्धन — परतंत्र
भक्षक — निरोगी

4. उतीर्ण → अनुतीर्ण
अपना → पराया
उपस्थित → अनुपस्थित
चिंतित → निश्चिंत
प्रशंसा → निन्दा
राग → विराग

5. छात्र स्वयं करें।

❑

16. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitution)

❑ अभ्यास

1. (क) प्रशंसनीय (ख) सुलभ (ग) प्रार्थी (घ) लौकिक (ङ) भूतपूर्व (च) नागरिक

2. (क) (✓) साप्ताहिक (ख) (✓) दुर्गम
(ग) (✓) दुर्ज्ञेय (घ) (✓) सहपाठी
(ङ) (✓) दुर्लभ (च) (✓) अनगिनत
(छ) (✓) मृगनयनी (ज) (✓) कृतज्ञ

3. इतिहास से सम्बन्धित → ऐतिहासिक
हाथ से लिखा → हस्तलिखित
जो किसी का हित चाहता हो → हितैषी
पुरुष व स्त्री का जोड़ा → दम्पति
सब कुछ जानने वाला → सर्वज्ञ
जिसके आने की तिथि न हो → अतिथि

4. (क) भिखारी ने बहुत दौलत एकत्र कर ली।
(ख) हमें जिज्ञासु होना चाहिए।
(ग) उसकी कविताएँ सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गये।
(घ) प्रवासी भारतीय भारत में काफी धन भेजते हैं।
(ङ) हमें दयालु होना चाहिए।

(च) प्रत्येक व्यक्ति को दूरदर्शी होना चाहिए।
(छ) अतुल की प्रवृत्ति हिंसक है।

5. छात्र स्वयं करें।

❑

17. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द (Pair of Similar Words–Distinguished)

❑ अभ्यास

1. (क) आँधी (ख) कूल (ग) क्रम (घ) नियत
2. (क) बीता हुआ/आने वाला दिन
   समय
   (ख) गोद, संख्या
   शरीर का भाग
   (ग) उपवन
   एक जानवर
   (घ) वस्तु
   बराबर
3. (क) वह दुकान की ओर गया है।
   (ख) वह बुरा बर्ताव कर रहा था।
   (ग) मुझे मिर्च का अचार खाना पसन्द है।
   (घ) आप कितना खर्च वहन कर सकते हैं।
   (ङ) सौरमण्डल में कितने ग्रह हैं।
   (च) वह बड़ा आदमी है।
4. छात्र स्वयं करें।

❑

18. उपसर्ग (Prefix)

❑ अभ्यास

1. जो शब्दांश किसी शब्द से जुड़कर उसका अर्थ बदल देते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं।

उपसर्ग		शब्द		नया शब्द
अ	+	मोल	=	अमोल
हर	+	रोज	=	हररोज

2. अमोल अज्ञान अवसर अवतार
भरपेट भरपूर पराजय पराभव
सुपात्र सुरम्य विज्ञान विधुर
नालायक नाबालिग आगमन आमोद
प्रतिदिन प्रतिकृति सजीव सरोज

3.

उपसर्ग	**मूल शब्द**
अध	पका
कु	पात्र
अभि	मान
नि	दर्शन
कम	जोर
ला	इलाज
अनु	करण
प्र	ख्यात
सर	दार
परा	क्रम

❑

19. प्रत्यय (Suffix)

❑ अभ्यास

1. प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं जो किसी मूल शब्द के अन्त में जुड़कर उसका अर्थ बदल देते हैं; जैसे—
बैठ + क = बैठक
राय + ता = रायता

2. सजीला रंगीला
साप्ताहिक दैनिक
लठैत डकैत
उमस तमस
समझदार दुकानदार
बचत फुरसत
वरदान इत्रदान
जन्तुखोर चुगलखोर

3.

प्रत्यय		**मूल शब्द**
ता	+	राय
ती	+	गिन

दार	+	समझ
ईला	+	रंग
दान	+	इत्र
ई	+	चढ़ा
ता	+	सफल
आन	+	उड़ा
पन	+	लड़क
कार	+	काश्त

❑

20. तत्सम और तद्भव शब्द (Tatsam and Tadbhav Shabd)

❑ अभ्यास

1. तत्सम शब्द उन शब्दों को कहा जाता है, जो संस्कृत के समान हों अथवा संस्कृत जैसे हो—अक्षर, असीम, अगम्य आदि।
2. तद्भव शब्द संस्कृत शब्दों अथवा तत्सम शब्दों के ध्वनि की दृष्टि से विकसित परिवर्तित या विकृत रूप हैं।
3.

अमोल	अशीम
अमिय	अगम
कोयल	कुआँ
धरती	पतोहू

4.

वत्स	धूम्र
कुम्भकार	कटु
कंदुक	उष्ट्र
पुत्रवधू	क्लेश
अमृत	आदित्यवार
अनार्य	अवतार

❑

21. विराम-चिह्न (Punctuation)

❑ अभ्यास

1. (क) वाक्य बोलते समय या लिखते समय विराम को प्रकट करने वाले चिह्नों को विराम-चिह्न कहा जाता है।
   (ख) आज वर्षा हो रही है। यह मेरा घर है।

2. (क) । (✓) (ख) , (✓) (ग) ? (✓)
(घ) ० (✓) (ङ) " " (✓)

3. प्रश्नवाचक चिह्न — हंसपद
विराम चिह्न — विस्मयसूचक
उद्धरण चिह्न — लाघव चिह्न
अल्पविराम — योजक चिह्न

4. (क) वाह! कितना सुन्दर चित्र है।
(ख) दिल्ली में आप कहाँ रहते हैं?
(ग) अवि, मनु हैं।
(घ) नेहा और मोनिका एक ही कक्षा में पढ़ती हैं।
(ङ) डॉ० माथुर हमारे पड़ोसी हैं।

5. (क) सड़क सदा दाएँ-बाएँ देखकर पार करो।
अपने आस-पास की जगह को साफ-सुथरा रखो।
(ख) मैं स्कूल जा रहा हूँ।
आज बड़े भईया आएँगे।
(ग) आपको किससे मिलना है?
आपका नाम क्या है?
(घ) अंकित, अवि और शौर्य मित्र हैं।
रमन, अजित, पीयूष और दिनेश पिकनिक पर जा रहे हैं।

6. छात्र स्वयं करें।
7. छात्र स्वयं करें।

❑

22. मुहावरे (Idioms)

❑ अभ्यास

1. (क) आसमान सिर पर उठाना
प्रयोग—अध्यापिका के बाहर जाते ही बच्चों ने आसमान सिर पर उठा लिया।
(ख) आँखें फटना
प्रयोग—ताजमहल की सुंदरता देख मेरी आँखें फटी रह गईं।
(ग) अंगार बनना
प्रयोग—अध्यापक के कक्षा में न होने से प्रधानाचार्य अंगार बन गये।
(घ) प्यारा होना
प्रयोग—अभय सभी अध्यापकों को प्रिय है।
(ङ) अपना उल्लू सीधा करना
प्रयोग—आजकल लोगों की प्रवृत्ति अपना उल्लू सीधा करने की है।

(च) दात खट्टे करना
प्रयोग—रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के दाँत खट्टे कर दिये।
(छ) सच्चा काम
प्रयोग—राम की न पूछो उसका तो खरा खेल फर्रुखाबादी है।
(ज) धोखा देना
प्रयोग—हमें उल्लू मत बनाओ हमने कितनो को चचा बनाकर छोड़ दिया है।

2. (क) रहस्य प्रकट कर देना
पुलिस शातिर मुजरिम से भी सब उगलवा लेती है।
(ख) पराजित करना
1965 व 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत ने पाक के छक्के छुड़ा दिये।
(ग) हैरान होना
उसके करतब देख मेरी आँखें फटी रह गईं।
(घ) खुशियाँ मनाना
राव साहब का लड़का आई०ए०एस० हो गया तो घर में घी के दीये जलाये गये।
(ङ) हर प्रकार से लाभ होना
वैज्ञानिकों ने कचरे से गैस तैयार करने की विधि खोज ली है। इसे कहते हैं आम के आम गुठलियों के दाम।
(च) बहुत दिनों बाद मिलना
अरे भाई साहब! कहाँ थे ईद का चाँद हो गये आप।

3. (क) सिविल सेवा का परिणाम देखकर राजीव की आँखों में अँधेरा छा गया।
(ख) दोनों पक्षों ने कमर खोल दी।
(ग) पैसा हाथ का मैल है।
(घ) वीर सिर पर कफन बाँधे रहते हैं।
(ङ) हमने सब जगह अच्छी तरह छान डाली, पर लड़की का कहीं पता नहीं।

4. छात्र स्वयं करें।

❑

23. लोकोक्तियाँ (Proverbs)

❑ अभ्यास

1. (क) उधार का खाना, फूस का तापना। (ख) ऊँची दुकान फीका पकवान।
(ग) खरी मजूरी, चोखा काम। (घ) न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी।
(ङ) क्रोध पर शान्ति की विजय होती है।

2. (क) (v) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii) (ङ) (iv)

❑

24. अलंकार (Figures of Speech)

❒ **अभ्यास**

1. (क) अलंकार का अर्थ होता है—आभूषण या गहना। जिस तरह आभूषण से शरीर की शोभा बढ़ती है उसी तरह भाषा की शोभा बढ़ाने के लिए अलंकार का प्रयोग होता है।

   (ख) जब शब्दों या वाक्यांशों की आवृत्ति एक से ज्यादा बार होती है, लेकिन उनके अर्थ अलग-अलग होते हैं। वहाँ यमक अलंकार होता है।

   उदाहरण—जीवनदायक हैं धन के सम
   जीवन-जीवन में घनश्याम हैं।
   यहाँ प्रथम जीवन का अर्थ जल एवं दूसरे व तीसरे का अर्थ प्राण-प्राण है। इसलिए यहाँ यमक अलंकार है।

   (ग) जब किसी वस्तु को देखकर भ्रम की स्थिति पैदा हो जाए तो भ्रान्तिमान अलंकार होता है।

   उदाहरण—नाच अचानक ही उठे बिनु पावस बन मोर।
   जानत हों! नंदित करी यह दिसि नंद किसोर।

2. (क) अनुप्रास अलंकार है। (ख) उपमा अलंकार है।
   (ग) श्लेष अलंकार है। (घ) यमक अलंकार है।

❑

25. संवाद-लेखन (Dialogue-Writing)

❒ **अभ्यास**

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।
3. छात्र स्वयं करें।

❑

26. विज्ञापन बनाना (Advertisement Making)

❒ **अभ्यास**

1. छात्र स्वयं करें।

❑

27. सूचना लेखन (Notice Writing)

❒ **अभ्यास**

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।

❑

28. पत्र-लेखन (Letter Writing)

❒ **अभ्यास**

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।
3. छात्र स्वयं करें।

❑

29. अनुच्छेद-लेखन (Paragraph Writing)

❒ **अभ्यास**

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।

❑